No. of Printed Pages : 4

BBHLA-135

स्नातक-उपाधि कार्यक्रम (बी. ए. जो.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.बी.एच.एल.ए.-135 : आधुनिक भारतीय भाषा—भोजपुरी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभ प्रस्नन के उत्तर दीं।*

1. नीचे लिखल वाक्यन में से सही/गलत के पहचान करीं : 10

(क) 'रजाई' कहानी के लेखक रामदेव शुक्ल जी ना हईं।

(ख) भोजपुरी के बिकास यात्रा में अपभ्रंश भाषा के योगदान बा।

(ग) 'कजरी' सावन महीना में गावल जाला।

(घ) 'बटोहिया' कविता के रचनाकार धरीक्षण मिसिर हईं।

(ङ) 'गबरघिचोर' नाटक में एगो पात्र 'पंच' बाटे।

2. सही उत्तर से खाली जगह के भरीं : 10

(क) पेड़ ना रुख तहाँ ..... परधान। (रेंड़/खूँटा)

(ख) मोती बी. ए. के कविता के नांव ..... हवे। (सेमर क फूल/साँप के सुभाव)

(ग) गलीज बहू बेटा के ..... से लबालव बिया। (ममता/माया)

(घ) भिखारी ठाकुर ..... जिला के निवासी रहलन। (सिवान/सारन)

(ङ) 'बिदेसिया' नाटक के रचनाकार ..... हवें। (भिखारी ठाकुर/सुरेश कांटक)

3. सप्रसंग व्याख्या करीं : 12

"प्रेम त्याग संयम उदारता जेमें जेतना होला।

फूल गंध फल रस ओ सब बस्तुन में होला।"

4. कहानी कला के आधार पर 'रजाई' कहानी के मूल्यांकन करीं। 14

5. 'गबरघिचोर' नाटक में वर्णित समस्या के बारे में बताईं। 14

6. 'भोजपुरी साहित्य' के बिसेसता के बारे में आपन बिचार प्रस्तुत करीं। 14

7. 'अनुवाद' के परिभासा दीं अउरी अनुवाद के प्रकार पर प्रकास डालीं। 10

8. नीचे लिखल बिसय में से कवनो एगो पर संछेप में प्रकास डालीं : 10

(क) रामदेव शुक्ल

(ख) व्यवहारिक भोजपुरी के बिसेसता

(ग) भाव-पल्लवन

9. निम्नलिखित में से कवनो एगो लोकगीत लिखीं : 6

(क) श्रमगीत

(ख) जंतसार

(ग) कजरी